SURYA FOUNDATION

सूर्या फाउण्डेशन

मासिक पत्रिका

जून–2023

- शिक्षा
- स्वास्थ्य
- स्वावलंबन
- समरसता
- पर्यावरण

"यदि समाज का हर व्यक्ति शिक्षित होगा तभी वह समाज के प्रति दायित्वों को पूरा करने में समर्थ होगा।

– पं. दीनदयाल उपाध्याय"

संदेश...

पद्मश्री
जयप्रकाश अग्रवाल जी
चेयरमैन - सूर्या फाउण्डेशन

हम सभी मेरा गाँव मेरा बड़ा परिवार के भाव से गाँव को शिक्षित, स्वस्थ, संस्कारित, समरस एवं स्वावलंबी बनाने का कार्य कर रहे हैं। एक ओर जहाँ भारत ने आत्मनिर्भर बनने के लिए अभूतपूर्व विकास का मार्ग अपनाया है, वहीं दूसरी ओर हम अपने पूर्वजों के द्वारा दिये गये आदर्श मूल्यों, संस्कारों, समृद्ध परंपराओं को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य भी कर रहे हैं।

5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर सूर्या फाउण्डेशन देशभर में 18 राज्यों के 250 गाँवों में पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेष गतिविधि चला रहा है। जिसमें संस्कार केन्द्र के लगभग 6250 बच्चों द्वारा लगभग 7 हजार बोतलों में लगभग 5 क्विंटल बिखरी हुई प्लास्टिक को एकत्रित कर इकोब्रिक्स तैयार किया है।

इस वर्ष 9वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर देशभर के 18 राज्यों के 320 गाँवों के 500 योग शिक्षकों के द्वारा 30 हजार लोगों को योगाभ्यास कराया गया। इसी के साथ बढ़ो आगे ही आगे हम होंगे कामयाब।

Scan QR Code and Watch Video

सफलता की कहानी

एक त्यौहार पर एक पेड़

हेमलाल सिन्हा एवं दीपिका सिन्हा

छत्तीसगढ़ राज्य के राजनांदगांव के पेण्ड्री गाँव में सूर्या फाउण्डेशन विगत कई वर्षों से कार्य कर रही है। गाँव के रहने वाले हेमलाल सिन्हा का विवाह दीपिका सिन्हा से हुआ। नए जीवन की शुरुआत में वह दोनों नव दम्पति मिलकर एक पेड़ लगाते हैं और उसको पुत्र मानकर उसके संरक्षण की सपथ लेते हैं।

सभी से अनुरोध करते हैं कि शादी विवाह, जन्मदिन या अन्य उत्सवों पर हम वृक्षों को लगाकर जल संकट को दूर कर सकते हैं और समाज को एक नया संदेश दे सकते हैं।

इस पहल के लिए उन्होंने सूर्या फाउण्डेशन का धन्यवाद किया।

यूट्यूब पर वीडियो देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें... Click here

सूर्या संस्कार केन्द्र पर पुस्तकालय की शुरुआत

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत बहादुरगढ़ सांखौल, झज्जर–हरियाणा में बाल पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया। इस पुस्तकालय में सूर्या फाउण्डेशन की ओर से 50 पुस्तकें दी गई। पुस्तकालय में सभी अलग–अलग प्रकार की पुस्तके हैं जैसे कहानी, चुटकुले, मुहावरे, धार्मिक पुस्तकें, महापुरुषों की जीवनी, विज्ञान, रामायण आदि। इसका उद्देश्य यह है कि वर्तमान समय में बच्चे केवल स्कूल की किताबों को ही पढ़ते हैं उसके अलावा कोई अन्य पुस्तक नहीं पढ़ते हैं, उसके बाद जो समय बचता है उसे मोबाइल में गेम खेलने में बिता देते हैं। इसलिए बच्चे स्कूली ज्ञान के अलावा एवं मोबाइल का कम प्रयोग करें इसके लिए संस्था की ओर से बाल पुस्तकालय चलाया गया। ताकि बच्चे मोबाइल से कुछ समय दूर रहें और किताब पढ़ने में उनकी रुचि बढ़े। सूर्या संस्कार केन्द्र पर आने वाले सभी भैया बहन काफी रुचि लेकर किताब पढ़ रहे हैं।

‘पर्यावरण’ की सुरक्षा ‘जीवन’ की रक्षा।

प्लास्टिक पर्यावरण को बड़ी तेजी से प्रदूषित करके बहुत नुकसान पहुँचा रहा है। इधर-उधर फैलती प्लास्टिक धरती के अंदर जाकर मिट्टी की पानी सोखने की क्षमता को कम करता है, जिससे भूमि कम उपजाऊ होती है। पेड़-पौधों की जड़ों द्वारा जल और पोषक तत्वों के शोषण में भी यह बाधा पैदा करता है। धरती बंजर हो जाती है।

गाय आदि पशु खाने की चीजों के साथ-साथ प्लास्टिक भी खा जाते हैं, जिससे उनका शरीर बीमारियों का शिकार हो जाता है। नालियों, तालाबों, नदियों यहाँ तक कि समुद्र में बहता प्लास्टिक पानी में रहने वाली जीव सृष्टि के लिए खतरा बन गया है। प्लास्टिक से बनी वस्तुओं से पैदा हुए कचरे का निपटारा करना बहुत ही कठिन कार्य है। इस कारण यह जन-साधारण तथा वैज्ञानिकों के लिए चिंता का विषय है। हर एक व्यक्ति को इस समस्या के निवारण के लिए जागरूक करना होगा और इस समस्या के समाधान के लिए आगे आना होगा।

05 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर सूर्या फाउण्डेशन देशभर में 18 राज्यों के 250 गाँवों में पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेष गतिविधियाँ चला रहा है। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल जी के आवाहन पर सिंगल यूज प्लास्टिकमुक्त अभियान चलाया गया। फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर समझाते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले दुष्परिणामों को बताकर लोगों को जागरूक किया।

‘फाउण्डेशन द्वारा चलाये गये इस पॉलीथिन मुक्त अभियान में संस्कार केन्द्र के बच्चे, युवा, महिलाएँ, बड़े बुजुर्गों की सहभागिता रही, जिसमें लगभग 6250 बच्चों द्वारा लगभग 7 हजार बोतलों में लगभग 5 क्विंटल बिखरी हुई प्लास्टिक को एकत्रित कर इकोब्रिक्स तैयार किया जिसके द्वारा विभिन्न प्रकार की उपयोगी सामग्री जैसे टेबल, कुर्सी, टी-गॉर्ड, स्टूल, पादुका स्टैण्ड, पक्षियों के पानी पीने का पात्र आदि बनाया गया। युवाओं द्वारा गाँवों में पौधारोपण, जागरूकता रैली, गोष्ठियाँ आयोजित की गई। गाँव की बहनों ने भी प्लास्टिक से सुशोभन हेतु अनेक प्रकार की सामग्रियाँ बनाकर पूरे देश में पर्यावरण जन-जागृति का संदेश दिया।’

प्रदूषण का कारण प्लास्टिक ही नहीं बल्कि अनेक प्रकार की और वस्तुएँ भी है उन सभी को रोकने की आवश्यकता है। हम सभी को पर्यावरण की सुरक्षा हेतु मिलकर कार्य करना होगा। आइए! हम सभी सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करें, और पर्यावरण की सुरक्षा करने का संकल्प लें।

'पर्यावरण दिवस' पर गाँवों में चल रहे सूर्या संस्कार केन्द्र के बच्चों की उपलब्धियाँ

7000+
बोतलें उपयोग में ली गयी।

75+
ट्री-गार्ड बनाये गये।

150+
कुर्सियाँ/स्टूल बनाये गय।

100+
मेज बनाई गयी।

उपरोक्त सामग्री बनाने में इधर-उधर फैली हुई लगभग

5000 KG
प्लास्टिक का उपयोग किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून 2023

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2023) पर वसुधैव कुटुंबकम् के सिद्धांत (वन अर्थ–वन फेमली) पर देशभर के 18 राज्यों के 320 गाँवों के 500 योग शिक्षकों के द्वारा 30 हजार लोगों को योगाभ्यास कराया गया। इस कार्यक्रम को 16 से 20 जून तक योग सप्ताह के रूप में मनाया गया और 21 जून को सामूहिक रूप से योगाभ्यास कराया गया। शिविर में योग साधकों को दैनिक जीवन में स्वस्थ्य रहने के लिए विभिन्न यौगिक क्रियाओं, आसन, प्राणायाम, सूर्यनमस्कार एवं ध्यान का सामूहिक अभ्यास करवाकर होने वाले लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है। इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर 'वन अर्थ–वन फेमली' पर आधारित रहा। जिसके तहत योग अभ्यास साधकों एवं आमजन को नियमित करवाया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून 2023

दिल्ली

अवध (उ.प्र.)

दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल)

हरियाणा

हिन्दूपुर (आन्ध्र प्रदेश)

गुजरात

स्वावलंबन

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा सूर्या स्टील पाइप प्लांट (मालनपुर) मे बनाये गये उत्पादों का स्टाल लगाया गया। जिसमें ग्राम मूण्डला, तिलोरी, घिरोगी, सिंगवारी के समूहों द्वारा बनाये गए पापड़, बड़ी, वाशिंग पाउडर, गोनाइल आदि उत्पाद रखे गए। इस स्टाल के माध्यम से उत्पादों की खूब बिक्री हुई। समय-समय पर समूह की महिलाओं द्वारा इस प्रकार के स्टाल प्लांट के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए लगाये जाते हैं।

मालनपुर (म.प्र.)

हिन्दूपुर (आन्ध्र प्रदेश)

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संचालित आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत दिनांक 15 जून 2023 को सूर्या रोशनी हिन्दूपुर में स्वयं सहायता समूह की माताओं बहनों द्वारा बनाए गए उत्पादों का स्टॉल लगाया गया जिसमे श्री मानिक पाटिल जी (सी.सी.ओ सूर्या रोशनी हिन्दूपुर) श्री ज्ञानप्रकाश जी (मानव संसाधन विकास सूर्या रोशनी) व कर्मचारी लोग उपस्थित रहे।

लगाए गए स्टॉल में कुल 90 लोगो ने खरीद्दारी की है।

समूह की महिलाओं का उत्पाद प्रशिक्षण

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत ग्राम घिरौघी, (मालनपुर-म.प्र.) में संचालित काशीबाबा महिला स्वयं सहायता समूह की 12 महिलाओं को गोनाइल (फिनाइल) बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें महिलाओं ने 25 लीटर गोनाइल प्रशिक्षण के दौरान तैयार किया गया। साथ ही गोनाइल का सेम्पल सूर्या स्टील प्लांट (मालनपुर) में भी दिया गया।

सूर्या फाउण्डेशन के प्रयास से ग्राम चँदिया, भुज (गुजरात) के विद्यालय में निःशुल्क आर.ओ. दिया गया।

सूर्या रोशनी लिमिटेड भुज प्लांट के द्वारा 1000 TDS का R-O Plant श्री चंदिया माध्यमिक शाला को समर्पित किया, जिसका उद्घाटन गाँव के सरपंच श्री रमेशभाई, शाला के प्रधानाचार्य श्री लवजी भाई, विद्यालय की बेटियों के कर कमलों से किया गया।

लघु व्यक्तित्व विकास शिविर

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत प्रकाश नगर, बहादुरगढ़ (झज्जर-हरियाणा) में 10 दिवसीय लघु व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन किया गया जिसके समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के वाइस चेयरमैन आदरणीय श्री वेद जी ने कहा कि 'आज के बच्चे कल का भारत है' यही बच्चे आगे चलकर गाँव एवं देश का नाम रोशन करेंगे शिविर में आने वाले भैया बहनों ने जो भी सीखा उसे अपने जीवन में उतारे और आपने जो भी सीखा है उसे अपने साथियों को भी बताएँ।

श्री प्रमोद आसरे (आदर्श गाँव योजना प्रमुख) जी ने फाउण्डेशन एवं कार्यक्रम का परिचय कराते हुए कहा कि इस 10 दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर में 65 भैया-बहनों ने प्रत्येक दिन 8 घण्टे का समय निकालकर काफी कुछ सीखा और इस शिविर में कई प्रकार की प्रतियोगिताएँ भी कराई गई जैसे- आर्ट एंड क्राफ्ट, कबाड़ से जुगाड़, विज्ञान के प्रयोग, मिट्टी के खिलौने बनाना, चित्रकला, 100 मीटर दौड़, गणगीत प्रतियोगिता आदि वही सभी बच्चों के बुद्धि का स्तर बढ़े इसके लिए कई प्रकार के सत्र भी कराए गए जैसे आदर्श घर, व्यवहार, सुरक्षा, विद्यार्थी के पाँच गुण, सुलेख, सोशल मीडिया आदि कराये गये सभी विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

हर घर पोषण वाटिका अभियान

सूर्या फाउण्डेशन–आदर्श गाँव योजना द्वारा पिछले तीन वर्षों से निरंतर ‘हर – घर पोषण वाटिका अभियान’ चलाया जा रहा है। गाँव के गरीब परिवारों का चयन कर उन्हें जैविक तरीके से सब्जी उगाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। पिछ्ले वर्षों के अनुभव से देखा गया है कि इस काम में बच्चों की भी सक्रिय भूमिका रही है। घरों में पोषण वाटिका बनाने से परिवार में जैविक हरी सब्जियाँ नि:शुल्क प्राप्त होती हैं, जिससे सब्जियों पर होने वाले खर्च की बचत होती है और गरीब परिवार कुपोषण का शिकार होने से बच जाते हैं। पिछले अनुभवों से देखा गया है कि वाटिका बनाने वाले परिवार पड़ोसियों को भी सब्जी उपलब्ध कराते हैं। घर की बाड़ी या खेतों में सब्जियाँ उगाने से घर के बच्चों में सब्जी लगाने का हुनर विकसित होता है।

कृषि के क्षेत्र में काम करने वाले सरकारी अनुसंधानों तथा वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किए गए बीजों को परिवारों में नि:शुल्क वितरित किया जाता है। अब तक 5000 परिवारों को पोषण वाटिका का बीज नि:शुल्क देकर उन्हें लाभान्वित किया जा चुका है। इस वर्ष राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड दिल्ली (NSC) द्वारा उत्पादित लौकी, तोरई, पालक, धनियां, टिण्डा, चौलाई के अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों को 8 राज्यों के 25 गाँवों में 2000 परिवारों में वितरण किया जा रहा है।

समाचार पत्रों में कार्यक्रम की झलकियाँ...

सूर्या फाउंडेशन ने इको ब्रिक बनाकर मनाया पर्यावरण दिवस

कालवाड़ टाइम्स

निमेड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सूर्या फाउंडेशन ने अनुपयोगी पानी की बोतल लेकर घर में उपयोग में लेने के बाद बचे हुए पॉलिथीन की थैलियों को-घर से लाकर संस्कार केंद्र के भैया बहनों के सहयोग से ईको ब्रिक बनायें इससे इको ब्रिक घरेलु प्रयोग की समग्री जैसे जुते रखने का स्टेंड, स्कूल, टेबल ,ट्री गार्ड आदि बनाये गये आज सूर्या फाउंडेशन के माध्यम से देश के 300 से अधिक स्थानों पर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। राजस्थान क्षेत्र प्रमुख पप्पू कुमार ने बताया कि प्रकृति हमारी मां है इनका संरक्षण करना हम सबका दायित्व है इसका लिए अवसर है पर्यावरण दिवस के अवसर पर संकल्प लें कि पॉलिथीन का हम कम से कम प्रयोग करेंगे तथा जो पॉलिथीन घर में आ गया है उसे हम बाहर नहीं फेंक कर अनुयोगी बोतल में भर कर रखेंगे सूर्या फाउंडेशन के माध्यम से सबको कलेक्ट करके गाँव में ही गाँव के लिए उपयोगी सामग्री बनाने में उपयोग लेंगे इस प्रयास से हमारी भूमि में पॉलिथीन मुक्त हो जाएगी शहरी क्षेत्र में वर्षा ऋतु के समय नाली जाम की बड़ी समस्या है इसे निजात मिलेगी तथा गांव का सौंदर्य भी बढ़ेगा इसके साथ ही वृक्षारोपण किया गया आगामी दिनों में हम हर घर फल को ध्यान में फलदार वृक्ष लगाएंगे तथा उनका संरक्षण करेंगे। इस कड़ी में जयपुर के निमेडा, मुण्डिया रामसर व बिंदायका में वृक्षारोपण किया गया।

संक्षिप्त समाचार

बच्चों को संबोधित करते वक्ता। (प्रवीण)

सांखोल में खुला बाल पुस्तकालय

बहादुरगढ़, 3 जून (प्रवीण): सूर्या फाऊंडेशन आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत गांव सांखोल में सूर्या बाल पुस्तकालय का शुभारंभ हो गया। मुख्यातिथि के रूप में सूर्या रोशनी से सीताराम, भंवर सिंह हरियाणा क्षेत्र प्रमुख उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि गांव सांखोल में बाल पुस्तकालय खोला गया है।पुस्तक ही हमारे सबसे अच्छे मित्र होते हैं। इसलिए सभी को इसका लाभ लेना है और अलग-अलग पुस्तक पढ़नी चाहिए। इससे हमारे गुणों का विकास होता है।

भंवर सिंह ने बताया कि पुस्तक का हमारे जीवन में बहुत महत्व है इसलिए हमेंज्यादा से ज्यादा पुस्तक पढ़नी चाहिए। आज देखते में आता है कि बच्चे ज्यादातर समय मोबाइल में गेम खेलने में बिताते हैं।इस पुस्तकालय के माध्यम से बच्चे कुछ समय मोबाइल से दूर रहेंगे। वहीं कवल कुमार ने बताया कि सर्वप्रथम हरियाणा क्षेत्र में सूर्या फाऊंडेशन की ओर से पहला सूर्या बाल पुस्तकालय खोला गया है। इस पुस्तकालय में 50 पुस्तक रखी गई हैं जोकि सभी अलग-अलग विषय की हैं। इसमें मु य रूप से कहानी, चुटकुले, गीत और चित्र वाली पुस्तक हैं। इस मौके पर नीतिश कुमार, विनोद सानिया, शंकर व सृष्टि उपस्थित रहे।

सूर्या फाउंडेशन ने साधकों को कराया योग

- विभिन्न स्थानों पर शिविर लगाकर मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

भास्कर समाचार सेवा

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सूर्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित योग शिविर।

काशीपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सूर्या फाउंडेशन के तत्वावधान में कुंडा के ग्राम भरतपुर स्थित विद्यालय में आयोजित शिविर में साधकों ने विभिन्न प्रकार के योगासन करते हुए योग दिवस मनाया। बुधवार को प्रातः अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर ग्राम भरतपुर स्थित विद्यालय में सूर्या फाउंडेशन ने विभिन्न स्थानों पर 50 हजार लोगों को योगाभ्यास कराया। 16 से 21 जून तक सूर्या फाउंडेशन द्वारा योग सप्ताह चलाया गया। योग सप्ताह के अंतर्गत शिविर में योग साधकों को दैनिक जीवन में स्वस्थ रहने के लिए विभिन्न यौगिक क्रियाओं, आसन, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार एवं ध्यान का सामूहिक अभ्यास कराकर होने वाले लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत पर वन हेल्थ- वन वर्ल्ड पर आधारित है, जिसके तहत योग अभ्यास साधकों एवं आमजन को नियमित करवाया जा रहा है। इस मौके पर मुख्य रूप से ग्राम प्रधान हुकम सिंह, जिलाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा भाजपा, हिमांशु, भरत साह, सुनील कुमार आदि थे।

पोषण वाटिका के लिए चला अभियान

सोयला नांदिया में सब्जियों के बीज वितरण करते हुए।

भास्कर न्यूज | सोयला

नांदिया गांव में हर-घर में पोषण वाटिका को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। गांव में गरीब परिवारों का चयन कर उन्हें जैविक तरीके से सब्जी उगाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, वहीं पिछले वर्षों के अनुभव को साझा कर जागरूकता का संदेश दिया।

इस दौरान पप्पू कुमार, सेवाभावी ने बताया कि कृषि के क्षेत्र में काम करने वाले सरकारी अनुसंधानों तथा वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किए गए बीजों को परिवारों में निःशुल्क वितरित किया जाता है।

ऐसे में अब तक करीब 100 परिवारों को पोषण वाटिका का बीज निःशुल्क देकर उन्हें लाभांवित किया जा चुका है। नांदिया कला में सोमवार को 50 परिवारों को बीज वितरण किया गया। इस मौके पर सरपंच जसवंत सिंह भाटी, क्षेत्र प्रमुख पप्पू कुमार, सेवाभावी गणपत मेघवाल एवं गांव के किसान उपस्थित रहे।

SURYA FOUNDATION

B-3/330, Paschim Vihar, New Delhi-110063

Tel. : +91-25261588, 25253681 | +91-9310214842

Email: contact@suryafoundation.org | www.suryafoundation.org